कुमार जीवन - 79

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **कुमार-कुमारियाँ :-** कुमार और कुमारियाँ, तो आधा हाल कुमारकुमारि याँ हैं। शाबास कुमार-कुमारियों को। बस कुमार कुमारियाँ ज्वाला रूप बन - आत्माओं को पावन बना देने वाले। कुमार और कुमारियों को तरस पड़ना चाहिए, आज के कुमार और कुमारियों पर, कितने भटक रहे हैं। **भटके हुए हमजिन्स को रास्ते पर लगाओ।** अच्छा, जो भी कुमार और कुमारी आये हैं उनमें से इस सारे वर्ष में जिसने आत्माओं को सेवा में आप समान बनाया है वह बड़ा हाथ उठाओ। कुमारियों ने आप समान बनाया है? अच्छा प्लैन बना रही हैं। यह हॉस्टेल वाली हाथ उठा रही हैं। अभी सेवा का सबूत नहीं लाया है। तो कुमार और कुमारियों को सेवा का सबूत लाना है। ठीक हैं! (14-11-2002)

➢➢ ब्राह्मण कुमार और कुमारियाँ किस तरह से भटक जाते हैं ?

➳ _ ➳ मोह में फंस जाना

➳ _ ➳ पद के पीछे भागना

➳ _ ➳ नाम के पीछे भागना

→ अध्यात्म के मार्ग में यही सबसे पहले आत्मा को गिराता है

→ The Desire Of Fame Is The Worst Of All The Desires….

➳ _ ➳ सुविधाओं के पीछे भागना

➳ _ ➳ उमंग उत्साह की कमी

➳ _ ➳ ज्ञान योग में बोरियत का अनुभव

➳ _ ➳ सेवाओं में कोई नवीनता नहीं

➳ _ ➳ एक दुसरे को कंपनी बना लेना

➳ _ ➳ पुरुषार्थ के प्रति उदासीनता

➳ _ ➳ घर चलने की इच्छा की कमी

➳ _ ➳ अव्यक्त हो जाने की गहरी चाह की कमी

➳ _ ➳ स्वीट साइलेंस का अनुभव न होना

➳ _ ➳ बाप को प्रतक्ष्य करने की तीव्र चाह की कमी

➳ _ ➳ सम्पूरण ज्ञान को पी जाने की चाह की कमी

➳ _ ➳ सम्पूरण अंतर्मुखता, मौन, एकांत के अनुभव न करना